# Hindi Sample Paper - 15

## SECTION-IA : हिन्दी

1. **श्रीलाल शुक्ल की रचना है–**
   (a) आषाढ़ का एक दिन
   (b) कटरा बी आरजू
   (c) राग दरबारी
   (d) सारा आकाश
2. **'चाक' उपन्यास की लेखिका हैं–**
   (a) मैत्रीय पुष्पा (b) मृदुला गर्ग
   (c) ममता कालिया (d) मन्नू भण्डारी
3. **प्रगतिवाद के प्रमुख कवि नहीं हैं–**
   (a) नागार्जुन (b) दिनकर
   (c) अज्ञेय (d) मुक्तिबोध
4. **निम्नलिखित में पर्यायवाची शब्द है–**
   (a) अचिर, अचर
   (b) राधारमण, करामिकन्दन
   (c) अंबुज, अभ्युषि
   (d) नीरद, नीरज
5. **''वह लाचार है, क्योंकि वह अंधा है।'' इस वाक्य में कौन-सा अव्यय है?**
   (a) संकेतवाचक (b) कारणवाचक
   (c) परिणामवाचक (d) संबंधवाचक
6. **मात्रिक विषय संयुक्त छन्द है–**
   (a) छप्पय (b) कुण्डलियां
   (c) हरिगीतिका (d) सोरठा
7. **नीचे भाषा की चार विशेषताएं दी गई हैं। इनमें से जो एक गलत विशेषता है उसे चुनिए-**
   (a) भाषा परिवर्तनशील होती है
   (b) भाषा पैतृक संपत्ति होती है
   (c) भाषा सामाजिक संपत्ति होती है
   (d) भाषा अनुकरण द्वारा सीखी जाती है
8. **'सीता सो रही थी'। वाक्य का काल है–**
   (a) सामान्य भूत (b) पूर्ण भूत
   (c) अपूर्ण भूत (d) संदिग्ध भूत
9. **'राम ने खाना खाया' में 'खाया होगा' में कौन-सी क्रिया है?**
   (a) अपूर्ण भूत (b) संदिग्ध भूत
   (c) हेतुहेतुमद् भूत (d) आसन्न भूत
10. **इनमें से पुल्लिंग शब्द कौन-सा है–**
    (a) दया (b) निर्धनता
    (c) बुढ़ापा (d) दुर्घटना
11. **महाश्वेता किसका पर्यायवाची है–**
    (a) लक्ष्मी (b) सरस्वती
    (c) पार्वती (d) सीता
12. **किस रस का संचारी भाव उग्रता, गर्व, हर्ष आदि है?**
    (a) शृंगार (b) वीर
    (c) वात्सल्य (d) रौद्र
13. **'सद्गति' शब्द में समास होगा-**
    (a) तत्पुरुष समास
    (b) कर्मधारय समास
    (c) अव्ययीभाव समास
    (d) द्विगु समास
14. **'उज्जवल' में प्रयुक्त संधि है–**
    (a) गुण संधि (b) व्यंजन संधि
    (c) विसर्ग संधि (d) दीर्घ संधि
15. **''हमारे देश में जयचंदों की कमी नहीं है'' में 'जयचंदों' संज्ञा के किस भेद के अंतर्गत आता है?**
    (a) व्यक्तिवाचक (b) समूह वाचक
    (c) जातिवाचक (d) भाववाचक
16. **'कोई आ रहा है'- वाक्य में 'कोई' किस प्रकार का सर्वनाम है?**
    (a) अनिश्चयवाचक
    (b) निश्चयवाचक
    (c) संबंधवाचक
    (d) निजवाचक
17. **'कारतूस' किस भाषा का शब्द है–**
    (a) अरबी (b) फारसी
    (c) फ्रेंच (d) तुर्की
18. **निम्नलिखित शब्दों में से किस शब्द में उपसर्ग नहीं है?**
    (a) मिलान (b) सुपुत्र
    (c) अधर्म (d) सुकर्म
19. **वाच्य के कितने भेद होते हैं?**
    (a) दो (b) पाँच
    (c) सात (d) तीन
20. **नीचे दिये किस वाक्य में विशेषण का प्रयोग हुआ है?**
    (a) लड़का आया है।
    (b) वह गुलाब के फूल लाया है।
    (c) गुलाब के फूल मुझे पंसद हैं।
    (d) वह लड़का फूल देकर चला गया।
21. **'तिमिर' का शुद्ध विलोम शब्द होगा-**
    (a) अंध (b) निशा
    (c) दिवा (d) आलोक
22. **हिन्दी की 'श' ध्वनि है–**
    (a) मूर्धन्य (b) तालव्य
    (c) दंत्य (d) ओष्ठ्य
23. **निम्न में से कौन-सा' आधि-व्याधि' शब्दयुग्म में आधि का अर्थ है?**
    (a) मानसिक कष्ट
    (b) आधा
    (c) पागलपन
    (d) अधकपारी जैसे रोग
24. **निम्न में से कौन-सा 'पीछे चलने वाला' शब्द समूह हेतु एक शब्द है?**
    (a) अनुगत (b) पिछलग्गू
    (c) पिच्छल (d) आगत
25. **निम्न में से कौन-सा 'निस्संकोच' शब्द में प्रयुक्त संस्कृत उपसर्ग है?**
    (a) निस् (b) निः स
    (c) नि (d) निः
26. **'जैसा काम वैसा दाम' में 'जैसा' शब्द किस व्याकरणात्मक कोटि का है?**
    (a) विशेषण (b) विशेष्य
    (c) सर्वनाम (d) अव्यय

27. **'मीनाक्षी' का अर्थ क्या होता है?**
(a) मोरनी
(b) मछली की तरह गोल आँखों वाली
(c) यमुना नदी
(d) पूनम की चाँदनी

28. **'बुढ़ापा एक प्रकार का अभिशाप है। रेखांकित शब्द की संज्ञा–**
(a) जातिवाचक (b) भाववाचक
(c) व्यक्तिवाचक (d) समूहवाचक

29. **शुद्ध वाक्य पहचानिए–**
(a) मेरी 5 बहनें और एक भाई है।
(b) मेरी पाँच बहनें और एक भाई है।
(c) मेरा एक भाई और पाँच बहनें हैं।
(d) मेरी एक भाई और पाँच बहनें हैं।

30. **अखिल भुवन चर-अचर जग हरिमुख में लखि मातु।**
**चकित भयी, गद्‌गद वचन, विकसित दृग पुलकातु॥**
**किस रस का उदाहरण है?**
(a) वीर रस (b) अद्‌भुत रस
(c) रौद्र रस (d) शान्त रस

31. **कौन-सा विकल्प वैचारिक अन्तर के समानार्थी शब्दों का है?**
(a) देखना, घूरना
(b) बेहद, असीम
(c) जल, नीर
(d) सौंदर्य, खूबसूरती

32. **समझदारी में कितने प्रत्यय हैं?**
(a) एक (b) दो
(c) तीन (d) एक भी नहीं

33. **''रंग में भंग होना'' मुहावरे का सही अर्थ है–**
(a) रंग भरी मिठाई खाना
(b) भाँग खाना
(c) मजा किरकिरा होना
(d) झगड़ा होना

34. **''नौ दिन चले अढ़ाई कोस'' लोकोक्ति का सही अर्थ है–**
(a) यात्री को समय की परवाह नहीं होती
(b) नौ दिन का काम एक ही दिन में करना
(c) समय की गति बड़ी कुटिल होती है
(d) समय का भारी अपव्यय करना

35. **''सौ सयाने एक मत'' लोकोक्ति का सही अर्थ है–**
(a) कुछ भी निश्चय न कर पाना
(b) ज्यादा चालाक बनना
(c) अपने विचारों का भिन्न होना
(d) बुद्धिमानों के विचार एक-से होते हैं

**निर्देश–(प्रश्न 36 से 40) निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़ें और नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–**

भारतीय साहित्य भारतीय संस्कृति के आधार पर विकसित हुआ है। इस संस्कृति में भारतीयता के बीज समाहित हैं। जब कभी-भी भारतीय अपनी पहचान का व्याख्यान करने को उत्सुक होता है, उसे अपनी जड़ से जोड़कर देखना चाहता है। यह केवल भारत व भारतीय के लिए ही आवश्यक नहीं है, बल्कि किसी भी देश के प्रान्त से जुड़ा हुआ मसला है। अपने को अन्य से जोड़कर तर्क दिए जाते हैं। उसे अपनी जड़ से जोड़कर ही देखते हैं। वर्तमान में भारतीय संस्कृति व सभ्यता के बीच उपजी हुई विषय-वस्तु को ही आधार बनाकर अपनी पहचान को जोड़ते हैं, जिसके कारण दक्षिण भारतीय या उत्तर भारतीय सभी भारतीय संस्कृति की टूटी कड़ियों से जोड़कर अपने आपको अलग स्थापित करते हैं। इसका परिणाम भारतीय स्तर पर विखण्डन के रूप में भी देखने को मिलता है। इस परिणाम के तहत भाषा व संस्कृति के आधार पर विभिन्न प्रान्तों का निर्माण भी सम्भव हो गया। यदि यही विखण्डित समाज भारतीय संस्कृति के मूल से जोड़कर अपने को देखता होता तो भाषायी एकता भी बनती और क्षेत्रवाद का काला धुआँ, जो भारतीय आकाश पर मँडरा रहा है, उसकी उत्पत्ति ही सम्भव नहीं हो पाती। इस सन्दर्भ में भारतीयता व उसके समीप उपजे साहित्य को सीमाओं में जाँचना जरूरी है। इसकी प्रकृति की खोज और इसके परिणामों की व्याख्या भारतीय साहित्य व भारतीयता के सन्दर्भ में खोजनी होगी।

भारतीयता के सन्दर्भ में साहित्य और समाज के सम्बन्धों को समझना आवश्यक है। साहित्य का जन्म समाज में ही सम्भव हो सकता है, इसलिए मानवीय संवेदनाओं को हम उनकी अभिव्यक्ति के माध्यम से समझ सकते हैं। यह अभिव्यक्ति समाज और काल में अलग-अलग रूपों में प्रकट हुई है। यदि हम पाषाण काल के खण्डों और वन मे ही रहने वालों की स्थिति को देखें, तो उनके विचार शब्दों में नहीं, बल्कि रेखाचित्रों में देखने को मिलते हैं। कई गुफाओं में इन समाजों की अभिव्यक्ति को पत्थर पर खुदे निशानों में देख सकते हैं। ये निशान उनके जन-जीवन में घटने वाली घटनाओं को प्रदर्शित करते नजर आते हैं। उनमें शिकार करते आदिमानव को देख सकते हैं। जो जीवनयापन के साधन हैं, उन चित्रों में हल चलाने वाले किसानों की अभिव्यक्ति नहीं मिलती। इससे इस बात की पुष्टि होती है कि वह समाज वनाचरण व्यवस्था में ही सिमटा था। उनका जीवनयापन शिकार पर ही केन्द्रित था। सभ्यता के विकास की गाथा उसके जीवन में नहीं गाई जा रही थी, लेकिन समय की पहली धारा में जो प्रभाव देखे जाते हैं, वह सभ्यता के रूप में गिरे पड़े टूटे-फूटे प्राप्त ऐतिहासिक खोज में देख सकते हैं।

36. **भारतीयता को समझने के लिए निम्नलिखित में से किसे समझना आवश्यक है?**
(a) भारतीय साहित्य को
(b) भारतीय साहित्य और समाज के सम्बन्धों को
(c) भारतीय समाज को
(d) उपरोक्त में से कोई नहीं

37. **भारतीय साहित्य किसके आधार पर विकसित हुआ है?**
(a) भारतीय समाज
(b) भारतीय राजनीति
(c) भारतीय संस्कृति
(d) भारतीय इतिहास

38. **'संवेदना' शब्द का सन्धि-विच्छेद है–**
(a) सम् + वेदना (b) स + वेदना
(c) सा + वेदना (d) सम् + वेदन

39. **यदि उत्तर भारतीय एवं दक्षिण भारतीय संस्कृति को अलग कर नहीं देखा जाता, तो इसका क्या लाभ होता?**
(a) न क्षेत्रवाद पनपता और न ही भाषावाद
(b) भारतीय साहित्य का विकास नहीं होता

(c) दक्षिण भारतीय साहित्य का विकास होता
(d) उपरोक्त सभी

40. **साहित्य का जन्म किससे सम्भव है?**
(a) विज्ञान
(b) व्यक्ति
(c) समाज
(d) इनमें से कोई नहीं

41. ***'प्रयोगवाद' विधा के प्रवर्तक माने गए हैं—***
(a) जयंशकर प्रसाद
(b) अज्ञेय
(c) प्रेमचंद
(d) जैनेंद्र

42. ***'भारतेंदु युग' को किन अन्य नामों से संबोधित किया जाता है—***
***1. प्रथम उत्थान***
***2. स्वच्छंदता काल***
***3. द्विवेदी युग***
***कूट :***
(a) 1 व 2 (b) 2 व 3
(c) 1 व 3 (d) उपर्युक्त सभी

43. ***आचार्य शुक्ल के इतिहास लेखन के बाद कौन-सी प्रथम रचना शुक्ल के साहित्येतिहास लेखन प्रभाव से सर्वथा मुक्त थी—***
(a) हिन्दी साहित्य का बृहद् इतिहास।
(b) हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास।
(c) हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास।
(d) हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास।

44. ***साहित्य के इतिहास को मार्क्सवादी दृष्टिकोण से प्रस्तुत करने वाले विद्वान् हैं—***
(a) डॉ. रामविलास वर्मा
(b) डॉ. रामकुमार वर्मा
(c) डॉ. विश्वनाथ त्रिपाठी
(d) डॉ. नगेंद्र

45. ***'भक्तमाल' किस रामभक्त कवि की रचना है ?***
(a) ईश्वरदास (b) विष्णुदास
(c) नाभादास (d) केशवदास

46. ***'रसिक संप्रदाय' की स्थापना किस रामभक्त कवि ने की है ?***
(a) नाभादास (b) विष्णुदास
(c) ईश्वरदास (d) अग्रदास

47. **निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए—**

| रचना | रचनाकार |
|---|---|
| 1. रामलला नहछू | तुलसीदास |
| 2. पार्वती मंगल | ईश्वरदास |
| 3. भरत-विलाप | तुलसीदास |

**प्रश्नगत युग्मों में से कौन-सा/से सही सुमेलित है/हैं ?**
(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) केवल 3 (d) 1, 2 व 3

48. **निम्नलिखित रचनाओं पर विचार कीजिए—**
**1. वैराग्य संदीपनी**
**2. कृष्णगीतावली**
**3. भक्तमाल**
**उपर्युक्त में से कौन-सी रचनाएं तुलसीदास की हैं ?**
(a) केवल 1 (b) 1 व 2
(c) 2 व 3 (d) न तो 1 और न ही 2

49. **निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—**
**1. 'वैराग्य संदीपनी' का केंद्रीय विषय वैराग्य के स्वरूप का निरूपण एवं उससे प्राप्त होने वाली आध्यात्मिक व्याख्या है।**
**2. 'जानकी मंगल' में पार्वती-शिव के विवाह की कथा है।**
**उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं ?**
(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 व 2
(d) न तो 1 और न ही 2

50. **निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए—**

| रचना | रचनाकार |
|---|---|
| 1. संदेश रासक | सारंगधर |
| 2. हम्मीर रासो | अब्दुल रहमान |
| 3. खुमाण रासो | दलपति विजय |

**उपर्युक्त युग्मों में से कौन-सा/से सही सुमेलित है/हैं ?**
(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) केवल 3
(d) 1, 2 व 3

## SECTION-IA : हिन्दी

1. (c) श्री लाल शुक्ल की अन्य प्रमुख कृतियां हैं-विश्रामपुर का संत तथा आदमी का जहर। सारा आकाश, राजेन्द्र यादव की कृति है तथा आषाढ़ का एक दिन मोहन राकेश की नाट्य कृति है।

2. (a) 'चाक' उपन्यास की लेखिका मेत्रैयी पुष्पा है। मृदुला गर्ग के प्रमुख उपन्यास 'कठगुलाब' चितकोबरा, वंशज और अनित्य है। ममता कालिया का प्रमुख उपन्यास 'बेघर' है तथा मन्नू भंडारी के प्रमुख उपन्यास-महाभोज और आपका बंटी हैं।

3. (c) अज्ञेय प्रगतिवाद के नहीं बल्कि प्रयोगवाद के प्रवर्तक एवं प्रमुख कवि हैं। नागार्जुन, दिनकर एवं मुक्तिबोध प्रगतिवाद के प्रमुख कवि हैं। यद्यपि कि मुक्तिबोध प्रयोगवाद के भी कवि रहे हैं, परन्तु वे मुख्यत: प्रगतिवाद के ही कवि हैं।

4. (b)

5. (b) ''वह लाचार है, क्योंकि वह अंधा है।'' में **कारणवाचक** अव्यय है। संकेतवाचक में दो प्रकार के वाक्य होते है। जो एक-दूसरे पर निर्भर होते है, जैसे-यदि राम जाएगा तो राधा आयेगी। जो अव्यय संज्ञा के पीछे आता है सम्बन्ध बोधक कहलाता है। जैसे- अब तक, भर, बिना, बाद, द्वारा, लिए, अतिरिक्त, बजाए, आदि। परिमाणवाचक में माप-तौल की वस्तुओं का प्रयोग होता है। जैसे- बहुत, बहुतेरा, कुछ, सब, सारा, समूचा, थोड़ा, अधिक।

6. (b) मात्रिक विषम संयुक्त छन्द कुण्डलियां है। इसमें छह चरण होते हैं। इसमें एक दोहा तथा एक रोला होता है। दोहा का चौथा चरण रोला के प्रथम चरण में दुहराया जाता है तथा दोहे का प्रथम शब्द ही रोला के अन्त में आता है। छप्पय मात्रिक विषम छन्द है। हरिगीतिका मात्रिक सम छन्द है तथा सोरठा मात्रिक अर्द्ध सम छन्द है।

7. (b)

8. (c) 'सीता सो रही थी' वाक्य में अपूर्ण भूतकाल है। जिस काल में क्रिया के व्यापार की समाप्ति की अपूर्णता का बोध होता है। उसे अपूर्ण भूतकाल कहते हैं।

जैसे-राधा खेल रही थी।

**सामान्य भूतकाल**-जिस काल में क्रिया के व्यापार को बीते हुए समय में समाप्त होने की सूचना प्राप्त होती है, उसे सामान्य भूतकाल कहते हैं।

जैसे-राम गया।

**पूर्ण भूतकाल**-जिस काल में क्रिया के व्यापार की समाप्ति की निकटता का बोध होता है, उसे पूर्ण भूतकाल कहते हैं। जैसे-राधा अभी आयी थी।

**संदिग्ध भूतकाल**-जिस काल में क्रिया के व्यापार की समाप्ति में संदेह प्रकट हो, उसे संदिग्ध भूतकाल कहते हैं। जैसे-शायद माया ने कहा होगा।

9. (b) 'राम ने खाना खाया' में 'खाया होगा' संदिग्ध भूतकाल की क्रिया है।

10. (c) 11. (b)

12. (b) वीर रस में संचारी भाव, उग्रता, गर्व, हर्ष, आदि होते हैं।

13. (a)

14. (b) उज्जवल में प्रयुक्त संधि व्यंजन संधि है जैसे- उत् + ज्वल = उज्जवल। व्यंजन के साथ स्वर या व्यंजन के मेल से उस व्यंजन में जो रूपान्तरण होता है, उसे व्यंजन संधि कहते हैं।

15. (c) जिस संज्ञा से एक प्रकार की अनेक वस्तुओं, व्यक्तियों, प्राणियों आदि का बोध होता हो, उसे जातिवाचक संज्ञा कहते हैं। अंग्रेजी में द्रव्यवाचक एव समूहवर्त वाचक संज्ञा जातिवाचक संज्ञा के अन्तर्गत आते हैं। प्रश्नानुसार जयचंदों संज्ञा के जातिवाचक भेद के अन्तर्गत आता है हिन्दी में व्यक्तिवाचक, जातिवाचक एवं भावभावक तीन संज्ञाएँ होती हैं।

16. (a) 'कोई आ रहा है' वाक्य में 'कोई' शब्द अनिश्चयवाचक सर्वनाम है। जो शब्द अनिश्चित प्राणी, पदार्थ अथवा वस्तु के बदले प्रयोग किए जाते हैं, उन्हें अनिश्चय वाचक सर्वनाम कहते हैं। यहाँ 'लिए' शब्द किसी अनिश्चित व्यक्ति के 'कोई' प्रयुक्त है। अत: यह अनिश्चयवाचक सर्वनाम है। 'कुछ' एवं 'कोई' अनिश्चयवाचक सर्वनाम हैं।

17. (c) 'कारतूस' फ्रेंच भाषा का शब्द है। फ्रेंच भाषा के कुछ प्रमुख शब्द निम्नलिखित हैं- लैम्प, मेयर, आलपिन, मादाम, सूप, पिकनिक, कूपन, मीनू आदि।

18. (a)

19. (d) वाच्य के तीन भेद होते हैं-

**कर्तृवाच्य**-इसमें कर्ता की प्रधानता होती है। **उदा.** उसने पुस्तक पढ़ी।

**कर्मवाच्य**-इसमें कर्म की प्रधानता होती है। **उदा.** पुस्तक पढ़ी जाती है।

**भाववाच्य**-इसमें भाव की प्रधानता है। **उदा.** उससे बैठा नहीं जाता।

20. (c)

21. (d) 'तिमिर' शब्द का शुद्ध विलोम शब्द 'आलोक' होगा।

22. (b)

23. (a) 'आधि-व्याधि' में आधि का अर्थ-मानसिक कष्ट जबकि व्याधि का अर्थ शारीरिक पीड़ा है।

24. (a) पीछे चलने वाला शब्द समूह हेतु एक शब्द अनुगत या अनुगामी है।

25. (a) 'निस्संकोच' में 'निस्' उपसर्ग है, उपसर्ग उस शब्दांश को कहते हैं जो किसी शब्द के पूर्व में लगकर शब्द का अन्य विशेष अर्थ प्रकट करता है।

26. (a) 'जैसा काम वैसा दाम' में जैसा विशेषण व्याकरणात्मक कोटि का है।

27. (b) 'मीनाक्षी' का अर्थ है- मीन/मछली की तरह गोल आँखों वाली।

28. (b) 'बुढ़ापा' में भाववाचक संज्ञा है।

29. (c) दिए गए वाक्यों में शुद्ध वाक्य है-मेरा एक भाई और पाँच बहनें हैं।

30. (b) 31. (a)

32. (b) प्रत्यय वह शब्दांश है, जो किसी शब्द के बाद लगकर या प्रयुक्त होकर मूल शब्द के अर्थ में परिवर्तन या नवीनता ला देता है। 'समझदारी' शब्द में दो प्रत्यय हैं।

33. (c)

34. (d) लोकोक्ति का अर्थ है-लोक में प्रचलित उक्ति। लोकोक्ति किसी कथा या चिरसत्य से सम्बद्ध होती है। दी गई लोकोक्ति 'नौ दिन चले अढ़ाई कोस' का सही अर्थ 'समय का भारी अपव्यय करना' या 'अत्यन्त सुस्ती से कार्य करना' होता है।

35. (d) लोकोक्ति 'सौ सयाने एक मत' का सही अर्थ 'बुद्धिमानों के विचार एक-से होते हैं।'

36. (b) 37. (c) 38. (a)

39. (a) 40. (c)

41. (b) 'प्रयोगवाद' हिन्दी साहित्य के आधुनिक युग में एक नई विद्या का संबोधन है। इसके प्रवर्तक 'अज्ञेय' माने गए हैं। इस विधा का समय सन् 1943 से सन् 1951 तक माना गया है। हालांकि अज्ञेय को सदैव यह शिकायत रही कि आलोचकों ने उनके द्वारा प्रतिपादित 'प्रगतिशील' शब्द को 'प्रयोगवाद' बना दिया।

42. (a) भारतेंदु युग को आचार्य शुक्ल ने 'प्रथम उत्थान' तथा गणपति चंद्र गुप्त ने 'स्वच्छंदता काल' कहा है। द्विवेदी युग, भारतेंदु युग के बाद का समय है।

43. (b) आचार्य रामचंद्र शुक्ल द्वारा रचित साहित्येतिहास के बाद जितने भी साहित्येतिहास लिखे गए, वे या तो शुक्ल के साहित्येतिहास के समर्थन में थे अथवा उसके विरोध में। तब डॉ. बच्चन सिंह ने शुक्लजी के इतिहास-लेखन के प्रभाव से मुक्त प्रथम इतिहास लेखन कर उसे 'हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास' शीर्षक दिया।

44. (a) डॉ. रामविलास शर्मा ने मार्क्सवादी दृष्टिकोण का प्रयोग करते हुए हिन्दी भाषा एवं साहित्य का इतिहास लेखन किया और अनेक साहित्येतिहास लिखे। उनके दृष्टिकोण को समाजवादी-यथार्थवाद भी कहा गया है, जो साहित्यिक व सामाजिक परिवर्तनों के पीछे आर्थिक कारणों को आधार मानते हैं।

45. (c) 'भक्तमाल' नाभादास की रचना है। इस रचना का हिन्दी साहित्य के इतिहास के संदर्भ में विशेष महत्त्व है। इसके आधार पर रामानंद, कबीर, तुलसी, सूर, मीरा आदि भक्तिकालीन संतों, भक्तों के विषय में प्रामाणिक सूचना प्राप्त होती है। नाभादास की शैली परिमार्जित, प्रांजल व भावपूर्ण है तथा शृंगार-भक्ति व रसिक भावना इनके यहां महत्त्वपूर्ण है।

46. (d) 'रसिक संप्रदाय' के संस्थापक अग्रदास हैं। उन्होंने राम की भक्ति को शृंगारी भावनाओं में लपेटकर प्रस्तुत करने के क्रम में इस संप्रदाय का प्रवर्तन किया। कृपानिवास, रामचरण दास, रामगुलाम द्विवेदी, महाराजा विश्वनाथ सिंह व रघुराज सिंह इस संप्रदाय से संबद्ध कवि हैं। इन कवियों ने राम व सीता से विभिन्न पारिवारिक संबंधों की कल्पना करते हुए शृंगारिक अभिव्यक्तियां की हैं।

47. (a) प्रश्नगत रचनाएं एवं उनके रचनाकारों के सही सुमेलन इस प्रकार हैं—

| | |
|---|---|
| 1. रामलला नहछू | तुलसीदास |
| 2. पार्वती मंगल | तुलसीदास |
| 3. भरत-विलाप | ईश्वरदास |

48. (b) उपर्युक्त रचनाएं एवं उनके रचनाकार इस प्रकार हैं—

| | |
|---|---|
| वैराग्य संदीपनी | गोस्वामी तुलसीदास |
| कृष्ण गीतावली | गोस्वामी तुलसीदास |
| भक्तमाल | नाभादास |

49. (a) 'जानकी मंगल' अवधी में लिखी गई 120 छंदों की अत्यंत सफल प्रबंध रचना है। इसका प्रमुख प्रतिपाद्य सीता-राम विवाह है। कथा प्रवाह की दृष्टि से यह तुलसीदास की प्रौढ़ रचना है। 'जानकी मंगल' की रचना महत्त्वपूर्ण मांगलिक अवसरों पर गाने के लिए सुगम गीतों की प्रस्तुति के उद्देश्य से की गई थी।

50. (d) प्रमुख रचनाएं एवं उनसे संबंधित रचनाकारों के सही सुमेलन इस प्रकार हैं—

| | |
|---|---|
| 1. संदेश रासक | अब्दुल रहमान |
| 2. हम्मीर रासो | सारंगधर |
| 3. खुमाण रासो | दलपति विजय |